



रांची

मंगलवार, वर्ष 10, अंक 121

आजाद सिपाही



नियुक्तियों का बढ़ता कारवां..

नगर विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत विभिन्न पदों पर कुल

289 अभ्यर्थियों का नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

राजस्व निरीक्षक | विधि सहायक | सेनेटरी सुपरवाइजर | सेनेटरी एंड फूड इंस्पेक्टर
गार्डन अधीक्षक | वेटरनरी ऑफिसर पदों पर नियुक्तियाँ

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री राधा कृष्ण किशोर

माननीय मंत्री, वित्त विभाग, वाणिज्य-कर विभाग,
योजना एवं विकास विभाग, संसदीय कार्य विभाग

श्री संजय प्रसाद यादव

माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं
कोशल विकास विभाग, उद्योग विभाग

श्री सुदिव्य कुमार

माननीय मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, उच्च एवं
तकनीकी शिक्षा विभाग, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं
युवा कार्य विभाग

छात्रोपयोगी
वेब पोर्टल्स का
अनावरण



तथा रांची विज्ञान केंद्र, रांची के नव प्रवर्तन केंद्र का शुभारंभ समारोह एवं
झारखण्ड अनुसंधान एवं नवाचार नीति-2025 हेतु राज्य स्तरीय कार्यशाला

दिनांक : 18 फरवरी 2025 | स्थान : प्रोजेक्ट भवन सभागार, धुर्वा, रांची



आखिर कौन, कैसे और कब तक पायेगा भगदड़ पर काबू!

महाकुंभ और नयी दिल्ली स्टेशन पर हुए हादसे के बाद उठ रहे हैं सवाल 140 करोड़ लोगों के देश में अब क्राउड मैनेजमेंट पर ध्यान देना जरूरी

15 फरवरी को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक हादसा हुआ और 18 बेशकीमती जानें चली गयीं। भीड़ के कारण हुई भगदड़ का यह हादसा दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ में जानेवाले तीर्थयात्रियों के साथ हुआ, जो ट्रेन पकड़ने आये थे। इससे पहले 29 जनवरी को महाकुंभ में भी इसी तरह का एक हादसा हुआ था, जिसमें कई लोगों की जान चली गयी थी। इन हादसों के बाद अब चारों तरफ से यह सवाल उठ रहा है कि आखिर कब और कैसे इस तरह की भगदड़ पर नियंत्रण पाया जा सकेगा। यह सही है कि हादसे को पूरी तरह रोकना संभव नहीं है, लेकिन उसकी आशंकाओं को कम तो किया ही

जा सकता है। भगदड़ के इन हादसों ने साबित कर दिया है कि किसी भी सीमित स्थान पर असीमित संख्या में लोगों को जमा होने से रोकने के लिए अब तक कोई चाक-चौबंद व्यवस्था या मशीनरी का विकास नहीं हो पाया है। इसलिए भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में अब क्राउड मैनेजमेंट, यानी भीड़ प्रबंधन का तंत्र विकसित किया जाना जरूरी हो गया है। प्रति वर्ग मीटर चार

लोगों से कम की भीड़ घनत्व को आम तौर पर सुरक्षित सीमा माना जाता है। जैसे-जैसे यह प्रति वर्ग मीटर छह लोगों के करीब पहुंचता है, जोखिम काफी बढ़ जाता है। भारत के कई आयोजनों में इस सीमा को पार करने वाली भीड़ का होना आम बात है, खास तौर से धार्मिक आयोजनों में। भीड़ के घनत्व के अलावा परिधीय कारक भी तंग स्थिति को

खतरनाक बनाने में भूमिका निभाते हैं। हाल के दिनों में भगदड़ जैसे जितने भी हादसे हुए हैं, उनमें एक बात कॉमन रही कि वहां की व्यवस्था पूरी तरह छिन्न-भिन्न हो गयी थी और अफवाहों को रोकने के लिए कुछ नहीं किया गया। नयी दिल्ली स्टेशन पर हुए हादसे के बाद जरूरी हो गया है कि भीड़ प्रबंधन के इन पहलुओं पर ध्यान दिया जाये और व्यवस्थापकों को इसका समुचित प्रशिक्षण दिया जाये। नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन और महाकुंभ में हुए हादसे की पुष्टि में भगदड़ को रोकने के उपायों को रेखांकित कर रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह**।



राकेश सिंह

नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी की रात प्रयागराज में चला रहे महाकुंभ जाने को उठावली भीड़ ने ऐसी भगदड़ मचायी कि लगभग डेढ़ दर्जन लोगों की जान चली गयी, जबकि दर्जन भर से अधिक घायल भी हुए। इस बार भी मृतकों में महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा रही, जबकि पुरुषों की संख्या उनसे कम रही। वहीं, घायलों में भी लगभग 14 महिलाएं समेत कुल 25 लोग शामिल हैं। ये महज आंकड़े नहीं हैं, बल्कि हमारी संवेदनशील व्यवस्था की विफलता के नमूने मात्र हैं। ऐसी घटनाओं पर आखिर कौन, कैसे और कब तक काबू पायेगा, यह यक्ष प्रश्न देश के सामने उपस्थित है।

कैसे हो गये इस तरह के हादसे

ऐसा इसलिए, क्योंकि भारत में पिछले कुछ वर्षों में भगदड़ के कई मामले सामने आये हैं। इस बार तो महज एक महीने के अंदर ही भगदड़ के दो-दो मामले सामने आ चुके हैं, जो कि प्रशासन के लिए चिंता का विषय हैं। सवाल है कि जब महाकुंभ की तैयारियों को लेकर उत्तरप्रदेश प्रशासन लगातार दावे कर रहा था और केंद्र सरकार भी पूरी तैयारी का दावा कर रही थी, तब ऐसी हृदयविदारक घटनाओं का घटित होना तमाम

व्यवस्थाओं पर सवालिया निशान लगा जाता है। सवाल यह भी है कि तमाम सकारात्मक राजनीतिक इच्छाशक्ति के बावजूद इतनी बड़ी प्रशासनिक चूक कैसे हो गयी। ऐसे में सवाल है कि देश की राजधानी जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशन पर रेल प्रशासन ने समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की थी।

बढ़ गयी है चिंता

जाहिर है कि भीड़ और भगदड़ में अत्यन्तसंबंध है। लेकिन इनके नियंत्रण के समुचित उपाय कब तक दिखेंगे, किन्तु नेतृत्व में सब होगा, कुछ पता नहीं। तब तक ऐसे हादसों पर सवाल उठते रहेंगे, राजनीतिक बयानबाजी चलती रहेगी। हादसे की जिम्मेदारी किसी की नहीं होगी। भगदड़ की दो ताबड़तोड़ घटनाओं ने भीड़ नियंत्रण संबंधी विफलताओं पर जनसामान्य की चिंता ज्यादा बढ़ा दी है।

धार्मिक आयोजनों में ही भगदड़

यदि पिछले कुछ वर्षों में भारत में हुई भगदड़ की प्रमुख घटनाओं की सूची खगाली जाये, तो पता चलता है कि साल-दो साल बाद ऐसी घटनाओं की एक लंबी फेहरिस्त है। इस फेहरिस्त में एक बात कॉमन है कि इनमें से अधिकांश हादसे किसी न किसी धार्मिक आयोजन में हुए या फिर किसी लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर में भगदड़ क्या है? तो जवाब होगा कि कहीं पर भी अचानक भीड़ के बढ़ने के बाद किसी वजह से मची अफरा-तफरी से भगदड़ होती है। इस दौरान लोगों का एक बड़ा ताकतवर समूह अनियंत्रित रूप से आगे बढ़ता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर कमजोर लोग कुचल जाते हैं, कुछ का दम घुट जाता है और मौत हो जाती है। यह खबरारहट या उत्तेजना से प्रेरित होती है। यह



अफवाहों, भय, सीमित स्थान या अचानक आंदोलनों के कारण उत्पन्न हो सकता है, जिससे भीड़ का व्यवहार अत्यवस्थित हो सकता है।

क्या हैं जिम्मेदार कारक

सवाल है कि किसी भी भगदड़ के लिए जिम्मेदार कारक क्या-क्या होते हैं? तो जवाब होगा कि संरचनात्मक विफलताएं, यानी कमजोर अस्थायी संरचनाएं, खराब बैरिकेडिंग और संकीर्ण प्रवेश/निकास द्वार अमूमन खतरें पैदा करते हैं। वहीं, भीड़ पर

अपवांन नियंत्रण भी प्रमुख कारक हैं, क्योंकि भीड़ के आकार का कम आकलन, स्टाफ की कमी, अपवांन निकास और अनियंत्रित प्रवेश के कारण भीड़भाड़ हो जाती है। वहीं, घबराहट और अफवाहों की इसकी प्रमुख कारक हैं, क्योंकि झुटे अलार्म या सामूहिक उन्माद के कारण अचानक हलचल हो सकती है, जिससे लोग भाग कर गिर जाते हैं और दबे-कुचले जाते हैं। वहीं आग और बिजली संबंधी समस्याएं भी कभी-कभी इसका कारक बन जाती हैं, क्योंकि शॉर्ट सर्किट, अग्निशामक यंत्रों की कमी या खराब प्रकाश व्यवस्था से भी

खबरारहट की स्थिति पैदा हो जाती है, जिससे भगदड़ मच जाती है। समन्वय का अभाव भी इसका एक प्रमुख कारक है, क्योंकि एजेंसियों के बीच खराब योजना, विलंबित प्रतिक्रिया और वास्तविक समय की निगरानी का अभाव ऐसे अप्रत्याशित संकट को और बदतर बना देता है।

क्या है हादसों को रोकने का उपाय

यही वजह है कि किसी भी संभावित जगह पर भगदड़ रोकने के लिए प्रशासन ने कतिपय दिशा निर्देश जारी किये होते हैं, फिर भी

आधिकारिक लापरवाही या पेशेवर अनुभवहीनता के चलते ऐसी घटनाओं पर अब तक लगाम नहीं लगाया जा सका है। इसके लिए भीड़ का आकलन और प्रबंधन महत्वपूर्ण है। इसलिए अधिकारियों को अपेक्षित भीड़ का आकलन करना होता है, प्रवेश बिंदुओं को नियंत्रित करना होता है और लोगों की संख्या को विनियमित करना होता है। वहीं, बुनियादी ढांचा और सुरक्षा उपाय के संबंध में मजबूत बैरिकेड, आपातकालीन निकास और पर्याप्त वेंटिलेशन सुनिश्चित किया जाता है। सुरक्षा और निगरानी उपायों के तहत भीड़ की आवाजाही पर नजर रखने के लिए

सीसीटीवी कैमरे, सार्वजनिक संबोधन प्रणाली और प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाती है। आपातकालीन तैयारी के तहत त्वरित प्रतिक्रिया के लिए चिकित्सा दल, एंबुलेंस और अग्निशमन इकाइयों को रणनीतिक रूप से तैनात किया जाता है। जन जागरूकता और सूचना प्रसार को त्वरित गति से फैलाया जाता है, ताकि घबराहट की स्थिति से बचने के लिए लोग साइनबोर्ड, डिजिटल अपडेट के माध्यम से सजग हो जायें। इसलिए वहां उपस्थित लोगों को शिक्षित करना प्रमुख प्रशासनिक कार्य होता है।

चुनौतियां भी कम नहीं

कहना न होगा कि किसी भी भगदड़ को रोकने में कई चुनौतियां सामने आती हैं, जिसमें अनियंत्रित भीड़, अपवांन कानून प्रवर्तन, खराब बुनियादी ढांचे का रखरखाव, प्रौद्योगिकी एकीकरण का अभाव, पूर्व-पंजीकरण प्रणाली का विरोध आदि प्रमुख हैं। जहां तक अनियंत्रित भीड़ का सवाल है, तो धार्मिक भावनाएं, अनुशासन की कमी और अचानक भीड़ के बढ़ने से भीड़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है। वहीं, अपवांन कानून प्रवर्तन अंतर्गत प्रशिक्षित कर्मियों की कमी, समन्वय का अभाव तथा क्षेत्रवार खराब तैनाती प्रतिक्रिया आदि नेक प्रयासों में बाधा डालती है। खराब बुनियादी ढांचे का रखरखाव भी एक महत्वपूर्ण कारण है, क्योंकि संकीर्ण मार्ग, कमजोर पुल और अवैध अतिक्रमण बाधाएं पैदा करते हैं। जहां तक प्रौद्योगिकी एकीकरण के अभाव की बात है, तो वास्तविक समय भीड़ विश्लेषण, जीपीएस ट्रैकिंग और एआई-आधारित भीड़ नियंत्रण प्रणालियों की अनुपस्थिति से संकट प्रतिक्रिया में देरी होती है।

वहीं, पूर्व-पंजीकरण प्रणाली का विरोध वाकई एक जन संकट है, क्योंकि कई तीर्थयात्री अनिवार्य ऑनलाइन पंजीकरण का विरोध करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अनियंत्रित भीड़ और अत्यधिक क्षमता की समस्या उत्पन्न होती है।

सवाल है कि जब सख्त पूर्व-पंजीकरण और टिकटिंग से इसे रोका जा सकता है, तो प्रशासन सक्रिय क्यों नहीं है? प्रवेश सीमाओं को नियंत्रित करने के लिए अनिवार्य ऑनलाइन पंजीकरण लागू करके इस खतरे को कम किया जा सकता है। वहीं, यदि उन्नत एआई-आधारित निगरानी प्रणाली का अविलंब उपयोग शुरू हो जाये, तो वास्तविक समय भीड़ विश्लेषण, वृद्धि की भविष्यवाणी और भीड़भाड़ को रोकने के लिए एआई और ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। सुरक्षा और स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण पर ध्यान देकर भी ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। इसलिए भीड़ मनोविज्ञान और आपातकालीन प्रतिक्रियाओं में विशेषज्ञता वाले अच्छी तरह प्रशिक्षित कर्मियों को तैनात किया जाना चाहिए। कुशल यातायात और आवागमन योजना लागू करना भी जरूरी है, क्योंकि क्षेत्र-आधारित भीड़ प्रबंधन, एकतरफा आवागमन मार्ग और अलग आपातकालीन लेन लागू करके इसके जोखिम को कम किया जा सकता है।

अनुभव बताता है कि इस बाबत जनजागृति बहुत जरूरी है, क्योंकि एक दूसरे को कुचलने वाले क्रूर मनुष्य ही होते हैं। यूपी की योगी सरकार ने महाकुंभ 2025 के दौरान भीड़ नियंत्रण के लिए तमाम तकनीकी उपाय सुनिश्चित किये थे। बावजूद इसके संगम नोज पर हृदयविदारक घटना घट गयी। इसलिए प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्य दबाव कम किया जाये, ताकि वे बेहतर परफॉर्मेंस देकर जनहितकारी कार्रवाई कर सकें।

झारखंड अग्निशमन विभाग में होगी होमगार्ड जवानों की भर्ती, केंद्र सरकार ने 147 करोड़ रुपये स्वीकृत किये

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। झारखंड अग्निशमन विभाग अब आधुनिक संसाधनों से लैस होने का विषय है। केंद्र सरकार ने इसके लिए 147 करोड़ रुपये स्वीकृत की हैं। इस राशि का उपयोग नये फायर स्टेशन, ट्रेनिंग सेंटर और अग्निशमन उपकरणों की खरीद में किया जायेगा। साथ ही, जल्द ही होमगार्ड जवानों की भर्ती भी होगी। यह जानकारी डीजी होमगार्ड अनिल पाल्टा ने दी।
11 नये फायर स्टेशन और अत्याधुनिक उपकरण मिलेंगे : डीजी होमगार्ड ने बताया कि यह



फंड 15वें वित्त आयोग के तहत मिला है, जिसे 31 मार्च 2026 से पहले खर्च करना होगा। इस राशि से 11 नये फायर स्टेशन बनाये जायेंगे, एक राज्य स्तरीय ट्रेनिंग

होमगार्ड जवानों की भर्ती की प्रक्रिया में तेजी

अनिल पाल्टा ने कहा कि होमगार्ड जवानों की भर्ती की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और जल्द ही बहाली की जायेगी। इससे अग्निशमन विभाग को और मजबूती मिलेगी। घनबाद में अग्निशमन विभाग के पास संसाधनों की कमी थी, लेकिन अब इसमें सुधार होगा। हाल ही में घनबाद को फोम टैंडर मिले थे, जो गैस, शॉर्ट सर्किट और तेल से लगी आग को तेजी से बुझाने में सक्षम हैं। हालांकि, ऊंची इमारतों में आग बुझाने के लिए हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की कमी थी, जिसे अब पूरा किया जायेगा। गर्मी शुरू होने से पहले नयी व्यवस्थाओं के लागू होने की उम्मीद है, जिससे आग लगने की घटनाओं पर जल्दी काबू पाया जा सकेगा।

सेंटर और एक फायर फाइटिंग फायर कंट्रोल रूम भी स्थापित होगा। इसके अलावा, छोटे और बड़े फायर टैंडर, मोटरसाइकिल फायर टैंडर और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म भी खरीदे जायेंगे।

आइएएस पूजा सिंघल को विभाग नहीं देने की मांग वाली इडी की याचिका पर बहस पूरी, 21 को सुनवाई

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। इडी की ओर से रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में दाखिल उस याचिका पर अब 21 फरवरी को सुनवाई होगी। जिसमें एजेंसी ने कोर्ट से यह आग्रह किया है कि पूजा सिंघल को कोई विभाग ना दिया जाये। सोमवार को इडी और पूजा सिंघल की ओर से बहस पूरी कर ली गयी, जिसके बाद कोर्ट ने अग्रिम सुनवाई के लिए 21 फरवरी की तिथि निर्धारित की है।
दरअसल इडी ने कोर्ट में



याचिका दाखिल कर यह कहा है कि अगर पूजा सिंघल को राज्य सरकार किसी विभाग की जिम्मेदारी देती है तो वह अपने पद का दुरुपयोग कर केस को प्रभावित कर सकती है।
बता दें कि मनरेगा घोटाला की

अभियुक्त आइएएस अधिकारी पूजा सिंघल को केंद्रीय जांच एजेंसी इडी ने 11 मई को गिरफ्तार किया था। इडी ने पांच मई 2022 को पूजा सिंघल के 25 टिकानों पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी में इडी को बेहिसाब पैसे और

अन्य जगहों पर इन्वेस्टमेंट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली थी। इडी की छापेमारी के दौरान पूजा सिंघल के सीए सुमन सिंह के आवास और कार्यालय से 19.31 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई थी, पूजा सिंघल को दिसंबर महीने की 7 तारीख को बीएनएस कानून के तहत जेल से रिहा किया गया है। हालांकि वह अब भी मनी लॉन्ड्रिंग केस में अभियुक्त हैं। लेकिन कानूनी प्रावधानों के अनुसार जेल से बाहर रहने के दौरान उनका सरपेंशन खत्म किया जा चुका है।

रिम्स में निजी एंबुलेंस के खिलाफ कार्रवाई, 240 एंबुलेंस जब्त

एंबुलेंस संचालकों और चालकों ने हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी
आजाद सिपाही संवाददाता रांची। राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स में मौजूद प्राइवेट एंबुलेंस के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की है। रिम्स कैम्पस में

खड़ी 240 एंबुलेंस को जब्त कर लिया गया है। जब्त एंबुलेंस को बरियातू थाना में रखा गया है। एंबुलेंस संचालकों और चालकों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि वह हड़ताल पर चले जायेंगे। जानकारी के मुताबिक, कार्रवाई के दौरान एंबुलेंस चालक और

पुलिसकर्मियों के बीच हल्की झड़प भी हुई। जिसके बाद एंबुलेंस को जब्त करने की कार्रवाई की गयी है। प्रशासन का कहना है कि एंबुलेंस की वजह से रिम्स परिसर में जाम का संकट बनता रहता है। यह कार्रवाई उल्लेखनीय है कि रिम्स में

दिनभर मरीजों का आना-जाना लगा रहता है। सरकारी एंबुलेंस की कमी की वजह से इन प्राइवेट एंबुलेंस की जरूरत मरीजों को पड़ती है। रिम्स में एंबुलेंस को खड़ा करने की कोई व्यवस्था नहीं होने की वजह से चालक जहां जगह मिलती है, वहीं एंबुलेंस को

खड़ी करते हैं।
इन सबके बीच बड़ी समस्या यह है कि अगर एंबुलेंस चालकों ने हड़ताल कर दी तो मरीजों की दिक्कत बढ़ेगी। क्योंकि रिम्स के पास उतनी संख्या में एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हैं, जो मरीजों की मांग को पूरी कर सकें।

राजद ने बुधु भगत की जयंती और कर्पूरी ठाकुर की पुण्यतिथि मनायी

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। राष्ट्रीय जनता दल झारखंड प्रदेश कार्यालय रांची में सोमवार को स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीर बुधु भगत की जयंती और स्वतंत्रता सेनानी और समाजवादी नेता सह पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की

पुण्यतिथि मनायी गयी। इस अवसर पर पार्टी नेता और कार्यकर्ताओं ने दोनों विभूतियों की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। मौके पर सभी नेताओं ने इन दोनों लोगों के संबंधों तथा कार्यों को याद करते हुए उनके पदचिह्नों पर चलने का

संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष अनीता यादव, महासचिव आबिद अली, युवा राजद प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार, श्रमिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुशील गोप, शक्ति मिश्रा सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे।

आजाद सिपाही

विधानसभा में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने ओडिशा का बजट पेश किया



FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of 'श्री' Ashir Razzuka Educational Society)

ADMISSION OPEN

COLLEGE OF NURSING

- M.Sc. Nursing
- Post Basic B. Sc. Nursing
- B.Sc. Nursing
- GNM (General Nursing And Midwifery)
- ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)

COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE

- BMLT
- DMLT
- OT ASSISTANT
- ECG
- OPHTHALMIC ASST.
- CRITICAL CARE (ICU)
- RADIO-IMAGING
- ANESTHESIA TECH.
- DRESSERS

COLLEGE OF PHARMACY

- D-PHARM
- B-PHARM

Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsniba@gmail.com
Website: www.florenceinstitute.com

न्यूज रील

दिल्ली-एनसीआर के बाद बिहार में भी भूकंप नयी दिल्ली/पटना। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार सुबह करीब 5:36 बजे भूकंप के झटके महसूस किये गये। ढाई घंटे बाद सुबह 8 बजे बिहार के सिवान में भी भूकंप आया। दोनों जगह रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4 मापी गयी है। भूकंप का केंद्र नयी दिल्ली था और इसकी गहराई पांच किलोमीटर बतायी गयी है। भूकंप के तेज झटकों से दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आये। हालांकि, किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है।

दिल्ली के नये मुख्यमंत्री 20 को लेंगे शपथ, प्रधानमंत्री होंगे शामिल

19 को विधायक दल की बैठक आजाद सिपाही संवाददाता नयी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम आने के 12 दिन बाद 20 फरवरी को नये मुख्यमंत्री रामलाला मैदान में शपथ लेंगे। हालांकि, भाजपा ने अब तक मुख्यमंत्री के नाम का खुलासा नहीं किया है। पार्टी विधायक दल की बैठक 19 फरवरी को बुलाई गयी है, जिसमें मुख्यमंत्री की घोषणा होगी। इससे पहले सोमवार यानी 17 फरवरी को विधायक दल की बैठक

दिल्ली से लौटते ही मुख्यमंत्री एक्शन में : आजीवन सजा काट रहे 37 कैदियों की होगी रिहाई

रिहा हुए कैदियों को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ें : हेमंत सोरेन

● मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक हुई

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दिल्ली से लौटते ही एक्शन मोड में आ गये हैं। वह सोमवार को झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में शामिल हुए। इसमें आजीवन सजा काट रहे 37 कैदियों को रिहा किये जाने पर सहमति बनी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिहा हुए कैदियों को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ें। वहीं, मुख्यमंत्री मंगलवार को नगर सेवा परीक्षा के 289 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। साथ ही शाम में कैबिनेट की बैठक बुलाई है।

बताते चलें कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार की देर रात विशेष विमान से दिल्ली से रांची लौट आये हैं। पत्नी कल्पना सोरेन भी उनके साथ थीं। वह अपने पिता शिवू सोरेन की रूटीन हेल्थ चेकअप कराने पिछले रविवार को दिल्ली गये थे। अभी शिवू सोरेन का स्वास्थ्य सामान्य है। जांच में



103 कैदियों को कारामुक्त किये जाने पर हुआ विचार

झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उनके आवास पर हुई। बैठक में मुख्यमंत्री ने पर्षद की अनुशंसा के आलोक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 103 कैदियों को कारामुक्त किये जाने के प्रस्ताव पर अधिकारियों के साथ बिदुवार गहन विचार-विमर्श किया। एक-एक कैदियों की फाइल पर गंभीरता से

समय लगने की वजह से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन छह दिनों तक दिल्ली में ठहरे थे। सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि का सत्यापन करें: मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों का सामाजिक, आर्थिक एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि का सत्यापन जरूर करें। उन्होंने कारा महानिरीक्षक को रिहा हुए कैदियों

का ट्रैक रिकॉर्ड रखने का निर्देश दिया। हेमंत सोरेन ने कहा कि जिलों के पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों द्वारा रिहा हुए कैदियों का ट्रैक रिकॉर्ड रखने के साथ-साथ सभी गतिविधियों की निरंतर मॉनिटरिंग की जाये। रिहा हुए कैदियों को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना सुनिश्चित करें। जीवन यापन सुचारू रूप से चले इस

नगर सेवा परीक्षा के 289 अभ्यर्थियों को आज दिया जायेगा नियुक्ति पत्र

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा आयोजित नगर सेवा संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के तहत चयनित 289 अभ्यर्थियों को आधिकारिक नियुक्ति पत्र मिलने जा रहा है। ये अभ्यर्थी गार्डन अधीक्षक, वेटनरी ऑफिसर, सेनेटरी एंड फूड इंस्पेक्टर, सेनेटरी सुपरवाइजर, राजस्व निरीक्षक और विधि सहायक पदों पर नियुक्त किये जायेंगे। मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार गार्डन अधीक्षक- 09, पशु चिकित्सा पदाधिकारी (वेटनरी ऑफिसर)- 08, सेनेटरी एंड फूड इंस्पेक्टर - 12, राजस्व निरीक्षक - 174 और विधि सहायक - 44 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिलेगा।

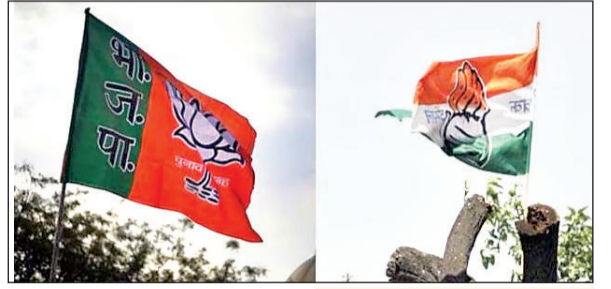
झारखंड कैबिनेट की बैठक आज

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को शाम 4:00 बजे से कैबिनेट की बैठक होगी। इस संबंध में कैबिनेट कोरिडोर विभाग ने सूचना जारी कर दिया है। बैठक में राज्य के विकास और जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों को चर्चा की उम्मीद है।

निमित्त उनके लिए आयोजन की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि रिहा हुए कैदियों को मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें सकारात्मक दिशा देना हम सभी की जिम्मेदारी है। बैठक में पूर्व मामलों पर भी किया गया विचार: बैठक में रिहाई से संबंधित नये मामलों के साथ-साथ वैसे कैदियों के मामलों पर भी पुनर्विचार किया गया, जिन्हें पर्षद की पिछली बैठकों में

अस्वीकृत किया गया था। बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, डीजीपी अनुराग गुप्ता, कारा महानिरीक्षक सुदर्शन प्रसाद मंडल, अपर विधि परामर्शी नीरज कुमार, प्रवेशन पदाधिकारी चंद्रमौली, एआइजी तुषार रंजन गुप्ता, जेलर मो नसीम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा को 4340 और कांग्रेस को 1225 करोड़ रुपये का चंदा



एडीआर ने राष्ट्रीय दलों को मिले चंदा पर अपनी रिपोर्ट जारी की

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्मर्स (एडीआर) ने राष्ट्रीय दलों को मिले चंदा को लेकर सोमवार को अपनी रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में भाजपा को सबसे ज्यादा 4340.47 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। दूसरे नंबर पर कांग्रेस को 1225.12 करोड़ रुपये मिले। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) को चंदा में 22.68 करोड़ रुपये मिले। आप ने चंदा से ज्यादा किया खर्च: रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा ने अपनी कमाई का कुल 50.96% यानी 2211.69 करोड़

चंदा का बड़ा हिस्सा चुनावी बांड से मिला

पार्टियों को चंदा का बड़ा हिस्सा चुनावी बांड से मिला है। चुनावी बांड से भाजपा को सबसे ज्यादा 1685.63 करोड़ रुपये मिले, जबकि कांग्रेस को 828.36 करोड़ रुपये और आप को 10.15 करोड़ रुपये मिले। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल मई में चुनावी बांड से मिले चंदा को असंवैधानिक बताया था।

रुपये और कांग्रेस ने अपनी कमाई का 83.69% यानी 1025.25 करोड़ रुपये खर्च किया। वहीं आप ने चंदा में 22.68 करोड़ रुपये मिले, जबकि पार्टी ने उससे ज्यादा 34.09 करोड़ रुपये खर्च किये। सभी पार्टियों को मिले कुल चंदा का 74.57% हिस्सा अकेली भाजपा को मिला है। बाकी 5 दलों को 25.43% चंदा मिला है।

भगदड़ को रोकने के लिए देश के 60 स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनेंगे

नयी दिल्ली स्टेशन पर 26 फरवरी तक प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री बंद स्टेशन पर सीआरपीएफ किये गये तैनात



आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और दिल्ली पुलिस की तैनाती की गयी है। महाकुंभ के बीच बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने यह फैसला लिया है। इसके अलावा रेलवे ने 26 फरवरी तक शाम 4 बजे से रात 11 बजे तक काउंटर से प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री बंद कर दी है। सूत्रों के मुताबिक रेलवे ने भविष्य में पीक सीजन में भगदड़ जैसी घटनाओं से बचने के लिए देश के 60 बड़े

स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाने की योजना बनायी है। महाकुंभ के बाद 2027 में नासिक और हरिद्वार में भी अर्धकुंभ लगेगा। इसके अलावा 2028 में मध्य प्रदेश के उज्जैन में भी सिंहस्थ मेले का आयोजन होना है। बताते चलें कि नयी दिल्ली स्टेशन पर 15 फरवरी को भगदड़ मचने से 11 महिलाओं और पांच बच्चों समेत 18 लोगों की मौत हो गयी थी। 25 लोग घायल हुए थे। इसके बाद रेलवे और पुलिस ने ठोस कदम उठाया है।

महाकुंभ का उत्साह बरकरार, सोमवार को भी एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने किया स्नान

संगम स्टेशन को 26 फरवरी तक बंद किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

प्रयागराज। महाकुंभ में सोमवार को फिर जबरदस्त भीड़ रही। देर शाम तक तक 1.08 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके थे, जबकि कई श्रद्धालुओं का घाटों तक आना जारी था। गुजरात, महाराष्ट्र, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने संगम में डुबकी लगायी। प्रयागराज



के लिए प्रवेश के सातों रास्तों पर टसाटस भीड़ रही और जाम रहा। भीड़ के चलते दारागंज स्थित संगम स्टेशन को 26 फरवरी तक

बंद कर दिया गया है। महाकुंभ में तैनात अफसरों की द्यूटी 27 फरवरी तक बढ़ा दी गयी है। मेला क्षेत्र में वाहनों के प्रवेश पर फिर से

रोक लगा दी गयी है। सभी तरह के पास रद्द कर दिये गये हैं। प्रयागराज से गुजरने वाली 19 ट्रेनों का रूट बदला गया है। वाहनों को संगम से 10-12 किमी पहले बनायी गयी पार्किंग में रोका जा रहा है, जिससे लोगों को संगम तक पैदल ही जाना पड़ रहा है। बताते चलें कि सोमवार को महाकुंभ का 36वां दिन था। 13 जनवरी से अब तक 54.04 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं।

किसानों का बेमियादी जमीन समाधि सत्याग्रह शुरू

घटुआग सांसद आदर्श ग्राम है घोषित, फिर भी नहीं हुआ विकास का काम बिजली, पानी, सड़क आदि समस्याओं को लेकर शुरू हुआ आंदोलन

मुकेश कुमार सिंह

चंदवा (आजाद सिपाही)। चंदवा कामता पंचायत के सांसद आदर्श ग्राम घटुआग के अन्नदाता किसानों ने अपनी मूलभूत सुविधाएं बिजली, पानी, सड़क आदि के लिए जमीन समाधि सत्याग्रह शुरू कर दिया है। वे खुले आसमान के नीचे धूप में भूखे-प्यासे दो फीट से अधिक गहरे गड्ढे के नीचे बैठे और कब्र में लेटे। सोमवार को सत्याग्रह दस बजे से शुरू होकर ढाई बजे तक चला।

2017-18 में ही आदर्श ग्राम के लिए हुआ था चयन : इस सत्याग्रह की अगुवाई कर रहे पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने कहा कि वर्ष 2017-18 में भाजपा के चतरा लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद ने सांसद आदर्श ग्राम के रूप में आदिवासी बहुल घटुआग ग्राम का चयन किया था। जिला प्रशासन ने संपूर्ण कामता पंचायत को सांसद आदर्श पंचायत घोषित कर दिया। प्रधानमंत्री की योजना



न सड़क है, न बिजली, शिकायत पर कुछ नहीं हुआ

आंदोलनरत किसानों ने कहा कि बिजली के लिए कई बार जिला मुख्यालय का चक्कर लगाया, लेकिन कुछ भी नहीं हुआ। अदुला, परहेया टोला आदि गांव में अच्ची सड़कें नहीं हैं, जिस कारण आपात स्थिति में बीमार मरीज को अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस भी नहीं आ पाती है। पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने

अनुसार 2019 तक इस ग्राम पंचायत में सभी बुनियादी सुविधाएं बहाल करनी थी, जबकि विकास

से वंचित सांसद आदर्श ग्राम घटुआग एवं चंदवा पंचायत कामता का करीब छह साल में न

गड्ढा खोद कर बैठे और लेटे किसान

किसानों ने जमीन में गड्ढा खोदा और उसमें गर्दन तक खुद को दफन कर लिया। आंदोलन में पंचायत समिति सदस्य अयुब खान, किसान सनिक मंडा, जीदन टोपनी, कमल गंडू, लेवा गंडू, गबरेल मंडा, बृधराम बारला समेत अन्य ग्रामीण शामिल हुए।

तस्वीर बदली न ही तकदीर। यह गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है।

700 करोड़ हुई राम मंदिर की सालाना आय



अयोध्या (आजाद सिपाही)। पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की पहली पसंद बन रही रामनगरी रोजाना नये-नये रिकॉर्ड बना रही है। राम मंदिर सालाना आय के मामले में देश का तीसरा सबसे बड़ा मंदिर बन चुका है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अब तक अयोध्या में 13 करोड़ से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक पहुंच चुके हैं। मंदिर की सालाना आय 700 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। सालाना आय के मामले में राम मंदिर ने स्वर्ण मंदिर, वैष्णो देवी और शिरडी साई मंदिर को पीछे छोड़ दिया है। अयोध्या का राम मंदिर भारत के 10 महत्वपूर्ण मंदिरों में धार्मिक दान अर्जित करने वाली सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर की वार्षिक दान राशि 1500 से 1650 करोड़ रही। द्वितीय स्थान पर तिरुवंतपुरम का श्री पद्मनाभम स्वामी मंदिर है, जिसका वार्षिक कलेक्शन 750 से 850 करोड़ रुपये है।

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN

Empowering students for a brighter future

MANAGEMENT PROGRAMMES OFFERED

- MBA
- MBA (Hospital Administration)
- MBA (Hospitality Management)
- MBA (Artificial Intelligence and Data Science)

APPROVAL & RECOGNITIONS

- Approved by UGC and AICTE
- Re-accredited by NAAC with A++ Grade
- Granted with Category-1 Graded Autonomy by UGC
- NBA Accredited Programmes

NIRF INDIA RANKINGS 2024

- 14th Best in University Category
- 62nd Best in Management Category

INTERNATIONAL RANKINGS 2025

- Ranked in QS World Rankings 2025
- Ranked in Times World Rankings 2025

To apply for admission through CAT 2024, Please visit: www.soa.ac.in



वाहन की चपेट में आने से बिजली मिस्त्री की मौत

इमरी/बेरमो (आजाद सिपाही)। निमियाघाट थाना क्षेत्र के एनाएच-19 हेठनगर के समीप रविवार की रात वाहन की चपेट में आने से पेशे से बिजली मिस्त्री की मौत हो गयी। उसकी पहचान यूसुफ अंसारी के रूप में हुई है। वह रोशनादंडा का रहने वाला था। इसकी सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर थाना ले गयी। वहां आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सोमवार को गिरिडीह भेज दिया। बताया जा रहा कि मृतक बाइक से इमरी बाजार से हेठनगर जा रहा था, तभी सड़क पार करने के दौरान अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर ही गिर गया। तभी पीछे से किसी तेज रफ्तार वाहन उसके उपर से गुजर गया। जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गयी है। उपर, यूसुफ की मौत की खबर से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

धनबाद एवं हजारीबाग जिलों में होमगार्ड बहाली की प्रक्रिया शीघ्र शुरू होगी: डीजी

धनबाद होमगार्ड ऑफिस का किया निरीक्षण, कहा- होमगार्ड भर्ती के लिए दौड़ जल्द, फायरमैन भी होंगे बहाल

- ज्वलनशील सामान का अवैध भंडारण व कार्य में बाधा पहुंचाने वालों के खिलाफ फायर सेफ्टी विभाग को कार्रवाई का मिला है अधिकार

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। धनबाद पहुंचे होमगार्ड के डीसी अनिल पाल्टा ने कहा कि धनबाद और हजारीबाग जिलों में होमगार्ड बहाली की प्रक्रिया शीघ्र शुरू होगी। उन्होंने दोनों जिलों के होमगार्ड के समावेष्टा से इस संबंध में बातचीत की है। सर्किट हाउस में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में डीजी ने बताया कि होमगार्ड की बहाली के लिए जल्द ही शारीरिक



धनबाद पहुंचे डीजी होमगार्ड अनिल पाल्टा।

दक्षता परीक्षा यानी दौड़ की शुरुआत होगी। होमगार्ड के डीजी ने पत्रकारों द्वारा पूछे गये एक सवाल के जवाब में कहा कि होमगार्ड बहाली में हुई गड़बड़ी पर

कमी को लेकर डीजी ने कहा कि केंद्र सरकार से राशि मिली है। 15वीं वित्त आयोग की अनुशंसा पर ही 147 करोड़ रुपये के आवंटन की मंजूद केंद्रीय गृह मंत्रालय से मिल चुकी है। इसमें 11 नई अग्निशामक मशीनों और हाइड्राइज मशीन सहित अन्य संसाधन की खरीद की योजना बनायी गयी है। डीसी ने अग्निशामन विभाग में फायरमैन की कमी की बात को भी स्वीकार किया है। उन्होंने बताया कि फायरमैन की भी शीघ्र बहाली की जाएगी। विभाग में प्रमोशन लॉबिंग है, जिसकी प्रक्रिया पूरी होने पर

रिक्त पदों का सही आंकड़ा सामने आयेगा। इसके बाद बहाली प्रक्रिया में तेजी लायी जाएगी। दूसरी ओर, डीजी ने सोमवार को धनबाद होमगार्ड ऑफिस का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि झारखंड में फायर सर्विस एक्ट लागू कर दिया गया है। अब फायर सेफ्टी विभाग को ज्वलनशील सामान का अवैध रूप से भंडारण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार दे दिया गया है। लगे हाथ फायर फायटिंग में बाधा पहुंचाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई करने का अधिकार दे दिया गया है।

बीसीसीएल सीएमडी से मिले विधायक राज सिन्हा, विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा



धनबाद (आजाद सिपाही)। विधायक राज सिन्हा सोमवार को बीसीसीएल के सीएमडी समीरण दत्ता से उनके कार्यालय में जाकर मुलाकात की। इस दौरान उनसे धनबाद की विभिन्न क्षेत्रों की जन समस्याओं के निराकरण को लेकर चर्चा की। विधायक ने कार्मिक नगर में डीपीएस स्कूल जाने वाली मुख्य सड़क के निर्माण एवं मरम्मत, धनबाद सीएमपीओ गेट से केंद्रीय चिकित्सालय जगजीवन नगर भाया मानस मंदिर से ओपीडी की ओर जाने वाली रोड और चिकित्सालय के मुख्य द्वार तक सड़क निर्माण एवं मरम्मत कराने, अमृत पार्क में पानी-बिजली, बड़े हुए घांस एवं अनचाहे झाड़ियों की कटिंग एवं सौंदर्यकरण की मांग की। साथ ही लिखित मांग पत्र भी सौंपा। विधायक ने उक्त जनहित के कार्य के नहीं होने से आम लोगों को होने वाली परेशानियों से भी सीएमडी को अवगत कराया। इसके बाद पत्रकारों से बातें करते हुए विधायक ने बताया कि वार्ता सफल रही। सीएमडी समीरण दत्ता ने सभी मांगों पर अपनी सहमती दी है। उक्त कार्यों को जल्द से जल्द करने की बात कही है। इस मौके पर बीसीसीएल के कार्मिक निदेशक मुसली कृष्ण रमैया, सुरेंद्र भूषण, जीएम प्रशासन सहित बालमुकुंद राम आदि थे।

पशुपालन कर महिलाएं हो रहीं आत्मनिर्भर: कीर्ति वर्धन



कसमार में महिलाओं के साथ केंद्रीय राज्य पर्वारण मंत्री कीर्ति वर्धन।

कहा- कसमार के अलावा झारखंड के 34 प्रखंडों को आकांक्षी प्रखंड में शामिल किया गया है, जिसकी निगरानी केंद्र सरकार करती है

आजाद सिपाही संवाददाता

कसमार/बेरमो। पशुपालन कर आज की महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं। उक्त बातें केंद्रीय राज्य पर्वारण, वन, जलवायु परिवर्तन एवं विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कही। वे सोमवार को बोकारो जिले के कसमार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने प्रखंड के फार्म टॉड में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी की ओर से संचालित कसमार आजीविका संसाधन केंद्र का निरीक्षण भी किया। केंद्रीय मंत्री ने महिला समूहों द्वारा मुर्गी पालन कर अंडे का उत्पादन करते हुए आत्मनिर्भर बनने पर महिलाओं की प्रशंसा की। उन्होंने पशुपालन कार्य, लाह संकल, पलाश मार्ट, मुर्गी पालन व कृषि कार्य से संबंधित सर्टालों का भी निरीक्षण किया। कहा कि केंद्र की मोदी सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों को कई प्रकार की योजनाओं से जोड़ रही है। आने वाले दिनों में एक-एक समूहों को उनकी कुशलता के अनुसार ऋण देकर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज सभी महिलाएं सहायता समूहों के

माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर करने में लगी हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि जो महिलाएं कल तक घर से बाहर नहीं निकलती थीं, आज पूरे परिवार का सहारा बनी हुई हैं। समूह की अधिकांश महिलाएं अपना अलग-अलग व्यवसाय कर रही हैं। इनके व्यवसाय के माध्यम से पूरा परिवार खुशहाल हो रहा है। विदेश राज्यमंत्री ने कहा कि कसमार को आकांक्षी प्रखंड बनाया गया है। जहां स्वास्थ्य और पोषण पर विशेष जोर दिया गया है। इसकी सीधो निगरानी भारत सरकार करती है। कसमार के अलावा झारखंड के 34 प्रखंडों को आकांक्षी प्रखंड में शामिल किया गया है। फिलहाल इसकी स्थिति काफी अच्छी है। स्वास्थ्य एवं पोषण, कृषि जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास, आधारभूत संरचना और प्रखंड सामाजिक उत्थान पर काम करेंगी। इस मौके पर डीएफओ रजनीश कुमार, बेरमो एसडीओ मुकेश महुआ, कसमार बीडीओ नम्रता जोशी, डीपीएम अनिल डुंगडुंग, जिला योजना पदाधिकारी राजकुमार शर्मा, वरीय लेखा पदाधिकारी पंकज दुबे, जेएसएलपीएस बीपीएम मनोज यादव, राजकुमार, मनरेगा वीपीओ मार्ट मोहित, केंद्रीय वन पर्वारण सुरक्षा समिति के उपाध्यक्ष विष्णुचरण महतो व सदस्य आनंद महतो सहित अन्य लोग मौजूद थे।

महिला ने पति और दो बच्चों को छोड़ा प्रेमी के साथ मंदिर में रचायी शादी

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में हैरान करने वाली घटना सामने आयी है। यहां एक विवाहित और दो बच्चों की मां ने अपने पति व बच्चों को छोड़कर अपने प्रेमी के साथ मंदिर में शादी रचा ली है। जानकारी के मुताबिक सुमित्रा देवी और रमेश महतो के बीच पिछले दो-तीन वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। सुमित्रा का पति रामानंद कुमार गोस्वामी और रमेश महतो अच्छे दोस्त थे। दोनों मिलकर कैटरिंग का काम करते थे। इसी के चलते अविवाहित रमेश का अक्सर अपने दोस्त रामानंद के घर आना जाना था। इसी बीच उसकी मुलाकात रामानंद की पत्नी सुमित्रा से हुई और दोनों के बीच धीरे-धीरे प्रेम संबंध स्थापित हो गया। जिसकी धनक



लंबे समय तक रामानंद गोस्वामी को नहीं हुई, जबकि रमेश और सुमित्रा के बीच गुप्त गुप्त मुलाकातें भी होने लगीं। अंततः दोनों ने एक साथ जिंदगी बिताने का फैसला किया और घर से भाग कर प्रयागराज जाकर कुंभ स्नान किया। बाद में वे महुदा लौटे। जब रामानंद को पत्नी के लापता होने की पता चला, तो उसने महुदा थाना में रमेश पर पत्नी को भगाने का मामला दर्ज कराया। हालांकि, पुलिस ने सुमित्रा को बरामद कर लिया। इसके बाद उसने पति और दोनों बच्चों को छोड़कर अपने प्रेमी के साथ जीवन बिताने का निर्णय लिया। वह पुलिस के सामने ही अपने प्रेमी रमेश के साथ जाने के लिए उतावली दिखाई, जबकि महुदा थाना परिसर में सुमित्रा के परिवार के सदस्य खड़े तमाशा देखते रहे। इसके बाद सुमित्रा ने ब्रह्म बाबा मंदिर में अपने प्रेमी रमेश के साथ शादी कर ली।

इन क्लब क्लब ऑफ माइलस्टोन ने अपना पब्लिक स्कूल के बच्चों के साथ मनाया हैप्पी डे

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। कुसुम विहार फेस 2 स्थित अपना पब्लिक स्कूल जूनियर शाखा परिसर में इनक्लीव क्लब ऑफ माइलस्टोन की अध्यक्ष रश्मि सहाय, उपाध्यक्ष लीना झा, कोषाध्यक्ष रेनु कौशल और एडिटर गीता चौबे ने बच्चों के बीच स्टेशनरीज और चॉकलेट्स बाँटकर हैप्पी डे मनाया। इस दौरान बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए उनके साथ संयुक्त रूप से

पौधारोपण भी किया गया। इस अवसर पर इन क्लब क्लब ऑफ धनबाद माइलस्टोन की पदाधिकारियों और स्कूल शिक्षिकाओं ने संयुक्त रूप से बच्चों के लिए रोचक कार्यक्रम आयोजित किए। सभी जूनियर छात्रों के बीच अद्भुत उत्साह दिखा। वहीं, स्कूल की निदेशक रेणु कौशल ने कहा कि हम जूनियर छात्रों के बीच शिक्षण प्रशिक्षण के साथ खुशियाँ और स्वच्छ आदतें डालने में विश्वास करते हैं। विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए अपना पब्लिक स्कूल प्रतिबद्ध है। वहीं, कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के प्रिंसिपल अनुपम नायक, शिक्षिका अनुप्रिया, कीया और दीपिका का प्रशंसनीय योगदान था। वहीं, इन क्लब क्लब ऑफ धनबाद माइलस्टोन की सभी पदाधिकारियों ने कहा कि भविष्य में इसी तरह के नए और रोचक कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को खुश किया जाएगा।

झरिया क्षेत्र में ठप रही जलापूर्ति, पानी के लिए परेशान हुए लोग

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। झमाड़ा जल संचयन केंद्र से झरिया जलमीनार को जाने वाली 30 इंच पाइप लाइन में हुई लीकेज के कारण सोमवार को झरिया क्षेत्र में जलापूर्ति ठप रही। इससे एक लाख की आबादी को पीने का पानी नहीं मिल सका। हालांकि शाम तक लीकेज मरम्ती का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बताते चलें कि केंद्र परिसर में रविवार की रात ज्वॉइंट का शीशा पानी के प्रेशर के कारण निकल गया था। जिसके चलते हजारों गैलन शुद्ध पानी बर्बाद हो रहे थे। झमाड़ा कर्मियों ने मरम्ती का कार्य पूरा कर झरिया जलमीनार के लिए पानी की आपूर्ति शुरू कर दिया है। मंगलवार को झरिया क्षेत्र में संभाव्य रूप से जलापूर्ति होने की संभावना है।

रेहवाघाट में संत शिरोमणि रविदासजी की मनायी गयी जयंती संत रविदास व्यक्ति नहीं, विचारक थे : योगेश्वर महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

फुसरो/बेरमो। फुसरो नप क्षेत्र के द्वारी बस्ती रेहवाघाट में सोमवार को नवयुवक संघ की ओर से संत शिरोमणि रविदास की जयंती मनायी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के संरक्षक शिवलाल रवि व संचालन भीम आर्मी जिलाध्यक्ष गोवर्धन रविदास ने किया। इस दौरान लोगों ने संत रविदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि समाज की समृद्धि के लिए लोग अन्य सुविधाओं में कटौती कर बच्चों के शिक्षा पर ध्यान दें। संत के आध्यात्मिक ज्ञान से जो प्रकाश समाज को मिला है, इसका लाभ उठाना चाहिए। संत रविदास जी ने जाति और भेदभाव रहित समाज निर्माण पर बल दिया था। समाज



से अंधविश्वास, नशा, देहेज व अशिक्षा को खत्म करने की आवश्यकता है। वहीं, बेरमो के पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बाटुल ने कहा कि संत रविदास व्यक्ति नहीं विचारक थे। वे भगवान के प्रति इतना निश्चय रखते थे कि उसे पा लिए। वे सामंतवादी प्रथा के प्रति लड़ाई लड़े। संत की प्रेरणा के चलते सामाजिक को आरक्षण मिला। उन्होंने कहा कि समाज को रूढ़िवादी प्रथा से हटकर अपने बच्चों को ज्यादा

ज्यादा पढ़ाना चाहिए। संत रविदास से प्रेरणा लेकर सभी को आगे बढ़ना चाहिए। समाज से खाने पीने की परंपरा को हटाना चाहिए। सभी को कर्म ऐसा करना चाहिए कि उनके जाने के बाद समाज याद रखें। वहीं, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जगन्नाथ राम ने गुरु रैदास की जीवनी को बताते हुए कहा कि वे सामाजिक को भलाई के लिए काफी कार्य किए। लगे हाथ उन्होंने कोडरमा में संत रविदास जी की प्रतिमा को तोड़े

MINOR IRRIGATION DIVISION, LOHARDAGA (Email Id- midloh632@gmail.com)

e-Procurement Notice
Very Short Tender Reference No. MID/LOHARDAGA/F2-20/2024-25 Date -15/02/2025

- वेबसाइट में ई-निविदा प्रकाशन की तिथि :-19.02.2025
- ई-निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि/समय :- 27.02.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
- ऑनलाइन ई-निविदा शुल्क एवं EMD जमा करने की अंतिम तिथि/समय :- 27.02.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
- ई-निविदा खोलने की तिथि/समय :- 01.03.2025 अपराह्न 2.00 बजे तक।
- ई-निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियंता, लघुसिंचाई प्रमण्डल लोहरदगा।
- ई-निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का मो नं 00 एवं ई-मेल आईडी :- 9123447790

eemidloha-cemr-jhr@nic.in
7. कार्य मंद :- जिला योजना अनाबद्ध निधि।
8. कार्य का विस्तृत विवरण:-

क्र० सं०	कार्य का नाम	ग्राम	प्रखण्ड	प्राक्कलित राशि (₹00 में)	कार्य समाप्ति की अवधि	अभियुक्ति।
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	बांकी नदी में छट घाट एवं पहुँच पथ का निर्माण कार्य।	सेन्हा	सेन्हा	23,77,719.00	02 माह	

Note: - (1) Only e-Tender will be accepted (2) Published Estimated Cost may be Increase or Decrease. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in
Executive Engineer
Minor Irrigation Division, Lohardaga.
PR 346537 (Lohardaga)24-25*D

